शैक्षणिक परिभ्रमण – प्रेमचंद के घर में -लमही शोध संस्थान दिनांक- ३०-०५ -२३

Edit with WPS Office

Edit with WPS Office

Edit with WPS Office

Edit with WPS Office

Edit with WPS Office

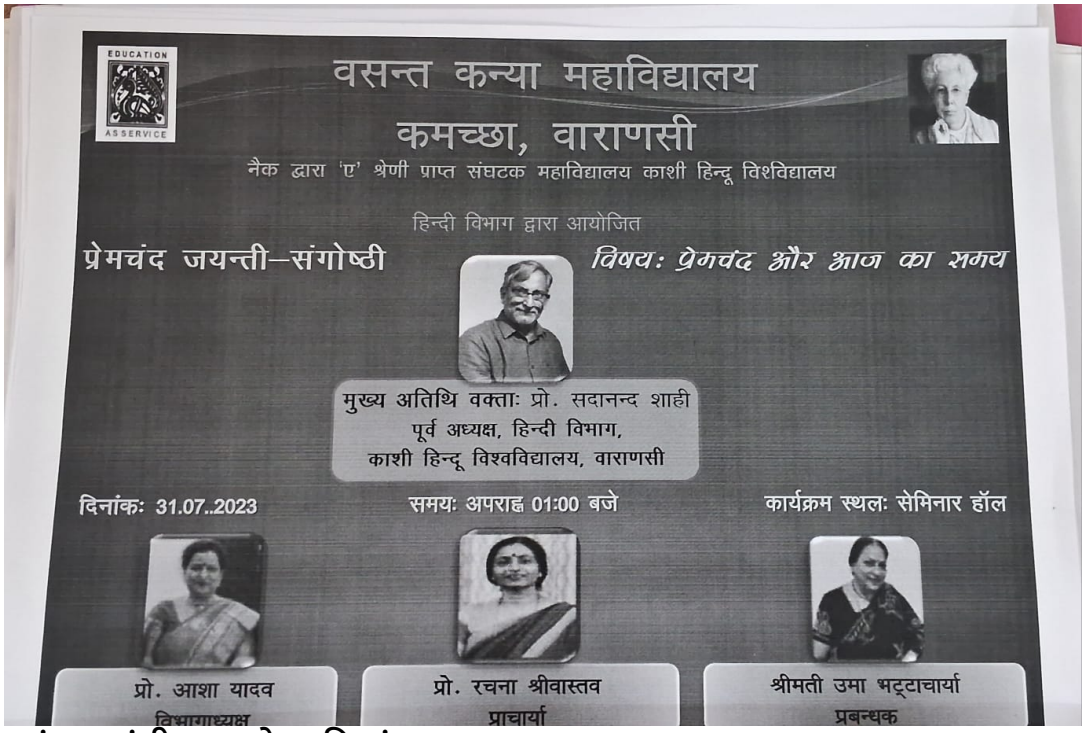

प्रेमचंद जयंती समारोह -दिनांक ३१-०७-२३

Edit with WPS Office

प्रेमचंद की विश्वदृष्टि छोड़ती है स्थायी प्रभाव: प्रो. सदानंद: वसंत कन्या महाविद्यालय कमच्छा में आयोजित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि प्रो. सदानंद शाही ने कहा कि प्रेमचंद की विश्व दृष्टि हमारे भीतर स्थायी प्रभाव छोड़ती है। विषय प्रस्ताविका प्रो. आशा यादव ने कहा कि प्रेमचंद का साहित्य ही भावी पीढ़ी को ऊर्जा प्रदान करेगा। डा. शशिकला, डा. शुभांगी श्रीवास्तव आदि थीं। प्राचार्य प्रो. रचना श्रीवास्तव ने स्वागत, संचालन डा. प्रीति विश्वकर्मा, धन्यवाद ज्ञापन डा. सपना भूषण ने किया।

मुंशी प्रेमच

वाराणसी। वसंत कन्
आयोजन हुआ। बतौर मु
शाही ने कहा कि आज
चुका है। प्रेमचंद जैसे ले
उन्होंने कहा कि कोई भी
के साथ न जुड़ा हो। मुंश
वे अपने पात्रों से कहल
महाविद्यालय की प्राचार्य
प्रासंगिक है। ईदगाह, मं
में न्याय, सत्य, आदर्श क
सामने आता है। आज
अध्ययन-अध्यापन कर
प्रोफेसर आशा यादव, सं
डॉ शशि कला, डॉ शुभां

Edit with WPS Office

तुलसीदास एवं नन्ददास जयंती

Edit with WPS Office

-दिनांक -११ -०५-२३

Edit with WPS Office

हिन्दी पखवाड़ा उद्घाटन एवं अज्ञेय की यायावरी - पुस्तक लोकार्पण समारोह-
दिनांक -०९-१०-२३

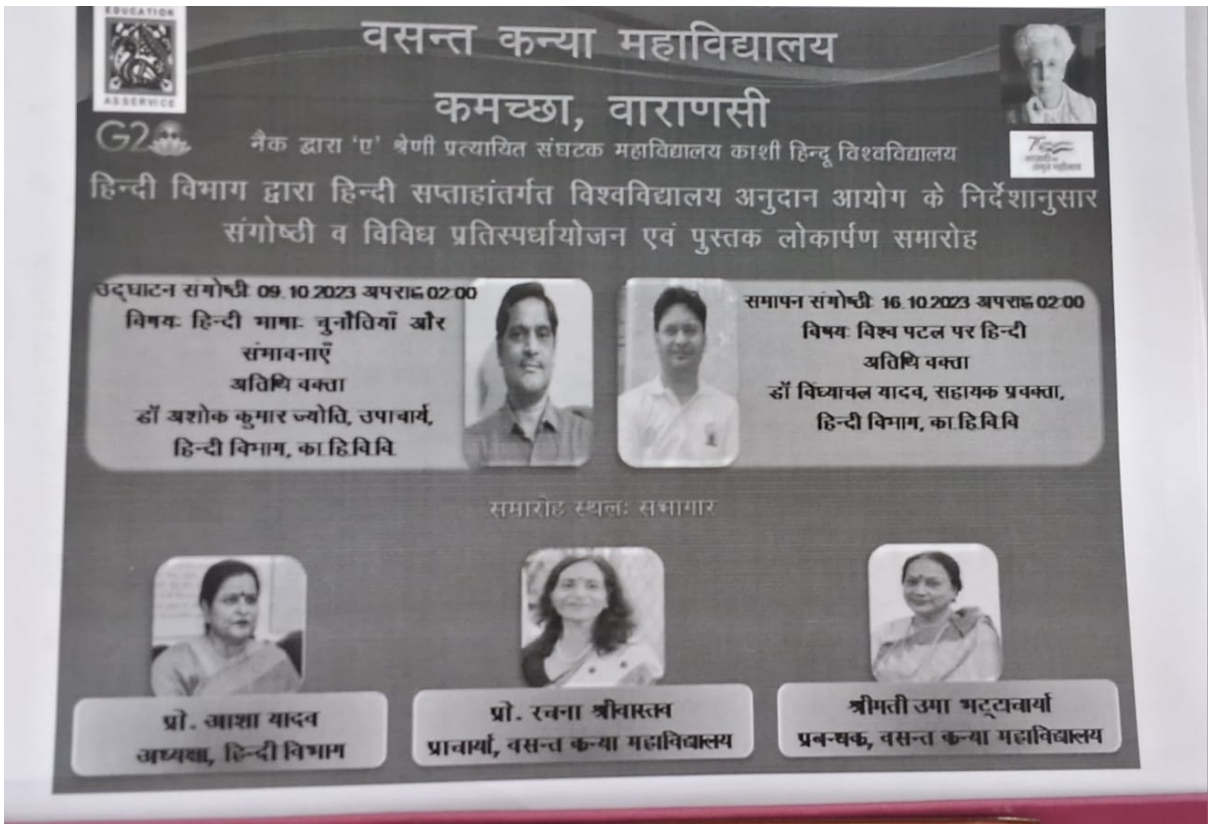

Edit with WPS Office

Edit with WPS Office

Edit with WPS Office

अज्ञेय की यायावरी में विषय से शब्द तक बेहतरीन यात्रा : डॉ. ज्योति

वसंत कन्या महाविद्यालय में संगोष्ठी एवं पुस्तक लोकार्पण का आयोजन

varanasi@inext.co.in

VARANASI (10 Oct.): वसंत कन्या महाविद्यालय के हिंदी विभाग की ओर से संगोष्ठी व पुस्तक लोकार्पण का आयोजन किया गया. चीफ गेस्ट बीएचयू-हिंदी विभाग के उप आचार्य डॉ. अशोक कुमार ज्योति ने हिंदी विभाग की शिक्षिका डॉ. शुभांगी श्रीवास्तव की पुस्तक अज्ञेय की यायावरी का लोकार्पण किया. उन्होंने कहा कि डॉ. शुभांगी ने अज्ञेय की दो ही यात्रा वृत्तांत कृतियों से एक नई कृति बनाकर महत्वपूर्ण कार्य किया है. पुस्तक में शब्द, वाक्य- गठन, विषय, प्रकाशन तक की यात्रा बहुत बेहतरीन रही है. इन्होंने पुस्तक को पांच अध्यायों में विभक्त किया है. वहीं डॉ. शुभांगी ने कहा कि अज्ञेय शुरू से मेरे प्रिय रचनाकार रहे हैं. अज्ञेय ने अपनी रचनाओं में जो समृद्धि लाईं उसका कारण उनका यायावर होना ही है. उन्होंने मैं से ममेतर की यात्रा की. वे जीने की कला एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने की कला को मानते हैं.

संगोष्ठी के दौरान उपस्थित लोग.

अज्ञेय अपनी यायावरी में जमीन से जुड़े हैं

संस्कृत विभाग की अध्यक्ष डॉ. शांता चटर्जी ने संस्कृत विभाग की पूर्व अध्यक्ष डॉ कमला पांडेय के संदेश का पाठन किया, जिसमें उन्होंने डॉ. शुभांगी की पुस्तक के लिए उन्हे शुभकामनाएं दी और कहा कि अज्ञेय अपनी यायावरी में जमीन से जुड़े हैं,धरती की महक, पेड़ो की हरियाली, नदियों का बहाव -सब कुछ उनकी काव्यचेतना में प्रतिबिंबित है. डा.शुभांगी ने कवि के यात्रा वृतान्तों को बखूबी संजोया है. इसके बाद परास्नातक द्वितीय वर्ष की छात्रा श्रेया शांडिल्य ने भाषण की प्रस्तुति दी एवं स्नातक तृतीय वर्ष की छात्रा धर्मशिला ने काव्य पाठ किया.

तुलसी से किया सम्मानित

कार्यक्रम का संयोजन प्रो. आशा यादव, संचालन डॉ. प्रीति विश्वकर्मा व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सपना भूषण ने किया. प्राचार्या प्रो. रचना श्रीवास्तव एवं प्रबंधक उमा भट्टाचार्य ने अतिथियों का सम्मान तुलसी पौधा एवं उत्तरीय देकर किया. इस दौरान डीएवी की शिक्षिका डॉ. अस्मिता तिवारी, सीएचएस की शिक्षिका डॉ. सुवर्णा पांडेय, महाविद्यालय की डॉ नैरंजना श्रीवास्तव, डॉ. आरती कुमारी, डॉ दीक्षा जायसवाल, डॉ. प्रतिमा सिंह समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित कर्मचारी गण एवं छात्राएं उपस्थित रहीं.

Edit with WPS Office

वीकेएम में संगोष्ठी व विविध प्रतिस्पर्धायोजन कार्यक्रम

● पूरे सप्ताह विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। वसंत कन्या महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा 'हिंदी सप्ताहांतर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार 9 अक्टूबर सोमवार को अपराह्न संगोष्ठी व विविध प्रतिस्पर्धायोजन एवं पुस्तक लोकार्पण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अशोक कुमार ज्योति (उप आचार्य, हिंदी विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय) मौजूद रहे। समारोह का शुभारंभ महाविद्यालय के कुलगीत से हुआ। संगीत विभाग की अध्यक्ष प्रो. सीमा वर्मा के निर्देशन में हिंदी प्रशस्ति गीत की प्रस्तुति हुई। तबले पर संगत सौम्याकांति मुखर्जी ने किया। प्राचार्या प्रो.रचना श्रीवास्तव एवं प्रबंधक उमा भट्टाचार्य ने अतिथि का सम्मान किया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में हिंदी विभाग की शिक्षिका डॉक्टर शुभांगी श्रीवास्तव की पुस्तक 'अज्ञेय की यायावरी' का लोकार्पण हुआ। संस्कृत विभाग की अध्यक्ष डॉक्टर शांता चटर्जी ने संस्कृत विभाग की पूर्व अध्यक्ष डॉ कमला पांडेय के संदेश का पाठन किया। मुख्य अतिथि वक्ता डॉ अशोक कुमार ज्योति ने ने भी अपने विचार रखे कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर सपना भूषण ने दिया। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर प्रीति विश्वकर्मा ने किया। ।कार्यक्रम के अंतर्गत पूरे सप्ताह विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई हैं। समस्त कार्यक्रम का संयोजन प्रोफेसर आशा यादव ने किया। कार्यक्रम में डी ए वी कॉलेज से हिंदी विभाग की शिक्षिका डॉक्टर अस्मिता तिवारी सेंट्रल हिंदू स्कूल की शिक्षिका डॉक्टर सुवर्णा पांडेय महाविद्यालय की डॉ नैरंजना श्रीवास्तव डॉक्टर आरती कुमारी डॉ दीक्षा जायसवाल डॉक्टर प्रतिमा सिंह उपस्थित रहीं।

Edit with WPS Office

हिंदी से ही संस्कृतियों का उत्थान संभव

varanasi@inext.co.in

VARANASI (9 Oct): वसंत कन्या महाविद्यालय के हिंदी विभाग की ओर से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार हिंदी ससाहांतर्गत सोमवार को संगोष्ठी व विविध प्रतिस्पर्धा एवं पुस्तक लोकार्पण का आयोजन किया गया. चीफ गेस्ट बीएचयू-हिंदी विभाग के उप आचार्य डॉ. अशोक कुमार ज्योति रहे. संगीत विभाग की अध्यक्ष प्रो. सीमा वर्मा के निर्देशन में हिंदी प्रशस्ति गीत की प्रस्तुति हुई. तबले पर संगत सौम्याकाँति मुखर्जी ने किया. स्वागत वक्तव्य प्राचार्या प्रो. रचना श्रीवास्तव ने दिया उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के समय अलग-अलग क्षेत्र के लोग हिंदी की छत्रछाया में एकजुट हुए. हिंदी की व्यापकता से ही संस्कृतियों का उत्थान संभव है. उन्होंने छात्राओं को अधिक से अधिक पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित किया और कहा कि पुस्तकें ही आपकी वास्तविक मित्र हैं. प्रबंधक उमा भट्टाचार्य ने कहा कि हिंदी ऐसी भाषा है जो दिल के बहुत करीब है.

Edit with WPS Office

भाषा व यात्रा से होता है संस्कृति का ज्ञान : डॉ. अशोक

वाराणसी (एसएनबी)। वसंत कन्या महाविद्यालय के हिंदी विभाग में सोमवार को हिंदी सप्ताहांतर्गत विवि अनुदान आयोग के निर्देशानुसार संगोष्ठी व विविध प्रतिस्पर्धायोजन व पुस्तक लोकार्पण समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि बीएचयू हिंदी विभाग के डॉ अशोक कुमार ने कहा कि डॉ शुभांगी श्रीवास्तव ने अज्ञेय की दो ही यात्रा वृत्तांत कृतियों से एक नई कृति बनाकर महत्वपूर्ण कार्य किया है। पांच अध्यायों में विभक्त पुस्तक में शब्द, वाक्य-गठन, विषय, प्रकाशन तक की यात्रा बहुत अच्छी रही है। हिंदी साहित्य के महत्वपूर्ण यायावर भदंत आनंद कौशल्यायन, राहुल सांकृत्यायन, निर्मल वर्मा, कृष्णनाथ भी मानते है कि जिसने यात्रा की उसने अधिक से अधिक ज्ञान प्राप्त किया। यात्रा को चक्रम, चक्रमण, अटक, सफर घुमक्कड़ी भी कहते है। यायावरी का साहित्य हमें बहुत कुछ सीखाता है। एक संस्कृति से दूसरी संस्कृति के जुड़ने का क्रम यात्रा से ही संभव है।

कार्यक्रम में हिंदी विभाग की शिक्षिका डॉ शुभांगी श्रीवास्तव की पुस्तक 'अज्ञेय की यायावरी' का लोकार्पण हुआ। लेखकीय वक्तव्य में उन्होंने कहा कि अज्ञेय शुरू से मेरे प्रिय रचनाकार रहे है। अज्ञेय ने अपनी रचनाओं में जो समृद्धि लाई उसका कारण उनका यायावर होना ही है। समारोह का शुभारंभ महाविद्यालय के कुलगीत से हुआ। मंचासीन अतिथियों द्वारा एनी बेसेंट की तस्वीर पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्वलन किया गया। संगीत विभागाध्यक्षा प्रो सीमा वर्मा के निर्देशन में हिंदी प्रशस्ति गीत की प्रस्तुति हुई। तबले पर सौम्याकांति मुखर्जी ने संगत किया। प्रो रचना श्रीवास्तव व प्रबंधिका उमा भट्टाचार्य ने

वसंत कन्या महाविद्यालय के हिंदी विभाग में पुस्तक लोकार्पण समारोह का आयोजन

तुलसी पौधा व उत्तरीय देकर अतिथि का सम्मान किया। स्वागत वक्तव्य प्राचार्या प्रोफेसर रचना श्रीवास्तव ने दिया। आशीर्वचन प्रबंधिका उमा भट्टाचार्य ने दिया। तत्पश्चात परास्नातक द्वितीय वर्ष की छात्रा श्रेया शांडिल्य ने भाषण की प्रस्तुति दी एवं स्नातक तृतीय वर्ष की छात्रा धर्मशिला ने काव्य पाठ किया। वक्ताओं में संस्कृत विभागाध्यक्षा डॉ शांता चटर्जी, डॉ शशि कला ने पुस्तक के लिए लेखिका को बधाई दी। धन्यवाद ज्ञापन डॉ सपना भूषण, संचालन डॉक्टर प्रीति विश्वकर्मा व संयोजन प्रो आशा यादव ने किया। कार्यक्रम में डीएवी कॉलेज हिंदी विभाग की डॉ अस्मिता तिवारी, सेंट्रल हिंदू स्कूल की डॉ सुवर्णा पांडेय, महाविद्यालय की डॉ नैरंजना श्रीवास्तव, डॉ आरती कुमारी, डॉ दीक्षा जायसवाल, डॉ प्रतिमा सिंह संग शिक्षक, शिक्षिकाओं, कर्मचारी व 150 छात्राएं उपस्थित थी।

Edit with WPS Office

आप अपना धर्म बदल सकते हैं, परंतु अपनी भाषा नहीं : डॉ. अशोक कुमार 'ज्योति'

जाह्नवी द्विवेदी, वाराणसी। हिंदी भाषा के महत्व को बढ़ावा देने हेतु वसंत कन्या महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा हिंदी सप्ताहोत्सव का उद्घाटन दिनांक 9/10 /2023 को हिंदी विभागाध्यक्षा डॉक्टर आशा यादव की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर रचना श्रीवास्तव व प्रबंधिका श्रीमती उमा भट्टाचार्य भी उपस्थित रहीं। उद्घाटन समारोह में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर अशोक कुमार ज्योति ने डॉक्टर एनी बेसेंट की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पार्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके उपरांत महाविद्यालय की प्रबंधिका व प्राचार्या महोदया द्वारा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि को तुलसी का पौधा देकर सम्मानित किया गया। इसी श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए महाविद्यालय के गायन विभाग की छात्राओं द्वारा कुलगीत तथा हिंदी प्रशस्ति गीत "हिंदी भाषा राष्ट्र की भाषा" का सुंदर गायन किया गया। तत्पश्चात महाविद्यालय की प्राचार्या ने हिंदी भाषा के महत्व को बतलाते हुए छात्राओं को हिंदी साहित्य पढ़ने हेतु प्रोत्साहित किया, महाविद्यालय की प्रबंधिका श्रीमती उमा भट्टाचार्या ने बंगलाभाषी होने के पश्चात भी हिंदी के प्रति अपने प्रेम को उजागर करते हुए, हिंदी भाषा को बढ़ावा देने की अपील की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में बतौर उपाचार्य कार्यरत डॉक्टर अशोक कुमार ज्योति ने अपने वक्तव्य में अपनी यात्रा संस्मरण का जिक्र करते हुए हिंदी भाषा के क्षेत्र विस्तार व हिंदी की व्यापकता पर प्रकाश डाला और हिंदी को संस्कृत की सभी बेटियों में सबसे समृद्ध बताया। उद्घाटन सत्र के शुभअवसर पर महाविद्यालय की हिंदी प्रवक्ता डॉक्टर शुभांगी श्रीवास्तव द्वारा लिखित पुस्तक "अज्ञेय की यायावरी" का विमोचन मुख्य अतिथि व महाविद्यालय की प्रवक्ताओं द्वारा किया गया समारोह में परास्नातक द्वितीय वर्ष की छात्रा श्वेता शांडिल्य ने अपने भाषण में हिंदी भाषा की विशेषताओं को प्रकट करते हुए, हिंदी की तुलना नारी से की तथा वर्तमान समय में हिंदी की दशा पर कटाक्ष भी किया। तत्पश्चात स्नातक तृतीय वर्ष की छात्रा धर्मशिला कुमारी ने "हमारी शान है हिंदी" गाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग की प्रवक्ता डॉक्टर प्रीति विश्वकर्मा ने बड़े ही सुव्यवस्थित ढंग से किया कार्यक्रम को समापन की ओर ले जाते हुए हिंदी प्रवक्ता डॉक्टर सपना भूषण ने सभी का सहृदय धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की अन्य प्रवक्ताएं स्वयंसेविकाएं व छात्राएं उपस्थित रहीं। यह उत्सव महाविद्यालय में दिनांक 10/10/2023 से प्रारंभ होगा जिसमें अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

Edit with WPS Office

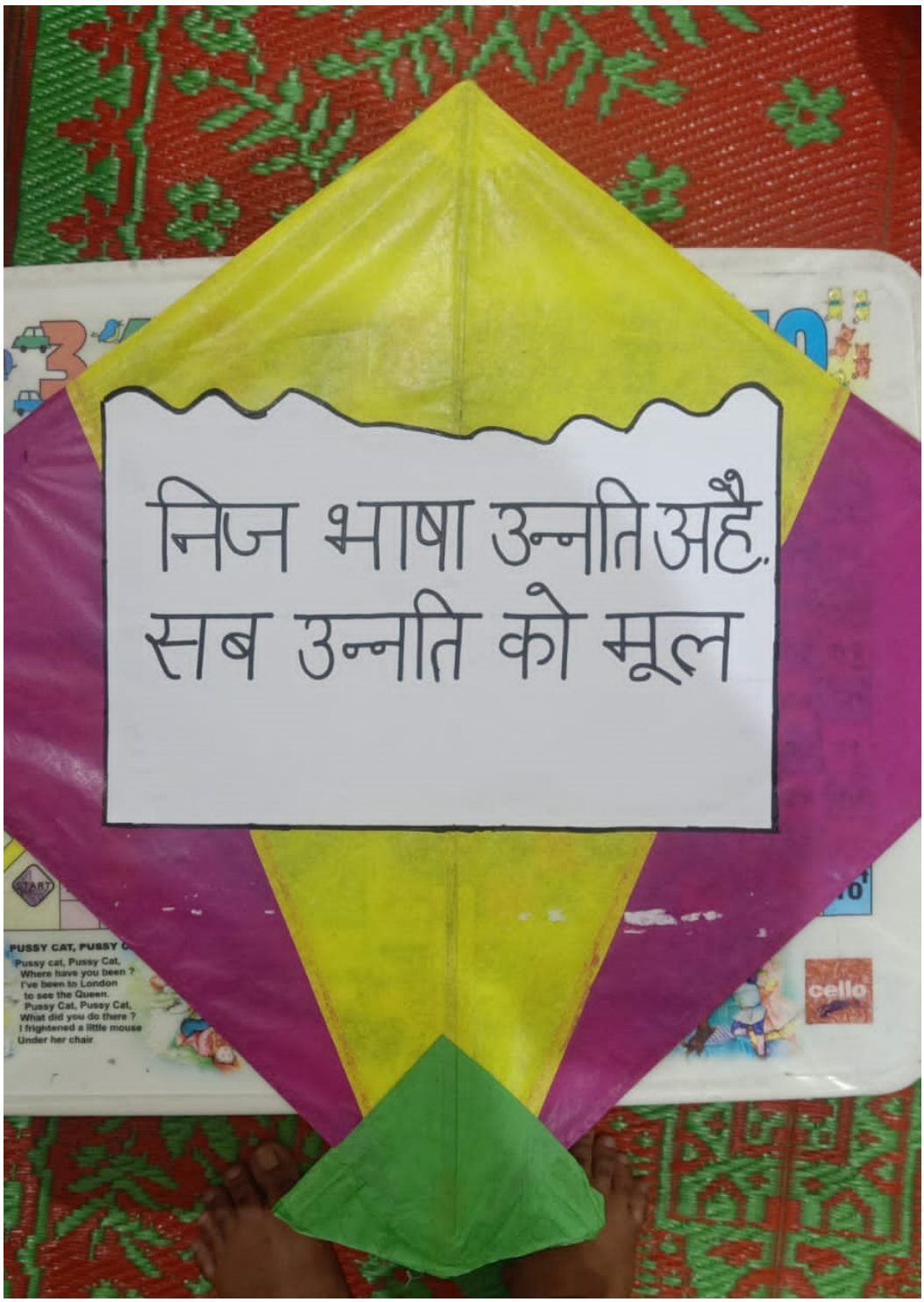

Edit with WPS Office

Edit with WPS Office

Edit with WPS Office

Edit with WPS Office

कहानी वाचन प्रतियोगिता- दिनांक -१३-१०-२३

06 शनिवार 14 अक्तूबर, 2023 मानस आइडिया सिटी न्यूज़ ideacitinews@gmail.com

कहानी वाचन प्रतियोगिता

"उत्तर आधुनिक समय में साहित्य ही है जो मानवता को जीवित रख सकता है : प्रो. के .एन. बारमोला

कौम जिसे यहूदी कहते हैं

हमारे शहर में

ज़िंदगी

आप भी अपनी स्वरचित रचनाएं भेज सकते है: ....
संपर्क सूत्र: - 8789792674 , 6306885355
manas.patrika.editor@gmail.com

Edit with WPS Office

सांगीतिक संध्या सह प्रतियोगिता

दिव्यांशी झा , वाराणसी ; वसंत कन्या महाविद्यालय के हिंदी विभाग में चल रहे हिंदी सप्ताहोत्सव के द्वितीय दिवस दिनांक - 10-10 2023 को अपराह्न 2:00 बजे महाविद्यालय के सभागार में हिंदी विभाग द्वारा संगीतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हिंदी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर सपना भूषण ने छात्राओं को प्रतियोगिता के नियम बताते हुए शुभकामनाओं के साथ किया।छात्राओं के उत्साहवर्धन हेतु महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर रचना श्रीवास्तव ने अपना ओजस्वी वक्तव्य देते हुए कहा कि विभिन्न विकट परिस्थितियों में हमें जीवन जीने की कला को नहीं भूलना चाहिए। स्वयं को खुश रखना अपनी जिम्मेदारी होती है। अतः इस तरह की प्रतियोगिताएं जो हमारे भीतर नव उत्साह व नव ऊर्जा का संचार करती हैं तथा जिससे हमारा मनोरंजन होता है और जो हमारे भीतर छुपे हुए प्रतिभा को निखारती है उनका होना अति आवश्यक है । हिंदी विभाग द्वारा आयोजित इस तरह की प्रतियोगिताओं की उन्होंने हृदय से प्रशंसा की। प्रतियोगिता में बतौर निर्णायक मंडल के रूप में संगीत गायन विभाग की अध्यक्षा प्रोफेसर सीमा वर्मा,डॉक्टर अनुराधा बापुली, डॉ नैरंजना श्रीवास्तव एवं डॉ प्रियंका पाठक ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की कार्यक्रम में लगभग 17 छात्राओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभागिता किया। जिसमें संगीत विभाग से तबला वादक अमित ईश्वर जी ने तबले का मधुर वादन कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया। हारमोनियम पर संगीत विभाग की छात्राओं ने संगत किया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्राओं में स्वस्ति मिश्रा, आरती कुमारी, श्रेया पांडे, सौम्या वर्मा, प्रकृति सिंह, धर्मशीला कुमारी, आंचल मौर्य, पल्लवी राय, रितु तिवारी, शिवांगी शर्मा, रिया वत्स, वैदेही निमगावकर आदि छात्राओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम का संचालन संयुक्त रूप से एसोसिएट प्रोफेसर सपना भूषण व स्नातक तृतीय वर्ष की छात्रा जहान्वी द्विवेदी के द्वारा किया गया।

प्रतियोगिता के समापन में कार्यक्रम संयोजिका डॉक्टर सपना भूषण जी ने सबको धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक गण भी उपस्थित रहें।

Edit with WPS Office

जीवन जीने की कला को नहीं भूलना चाहिए

VARANASI (11 Oct): वसंत कन्या महाविद्यालय के हिंदी विभाग में चल रहे हिंदी सप्ताहोत्सव के दूसरे दिन संगीतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया.
कार्यक्रम का शुभारंभ हिंदी विभाग की एसोसिएट प्रो. डॉक्टर सपना भूषण ने छात्राओं को प्रतियोगिता के नियम बताते हुए किया. छात्राओं के उत्साहवर्धन के लिए प्राचार्या प्रो. रचना श्रीवास्तव ने कहा कि विभिन्न विकट परिस्थितियों में हमें जीवन जीने की कला को नहीं भूलना चाहिए, स्वयं को खुश रखना अपनी जिम्मेदारी होती है. अतः इस तरह

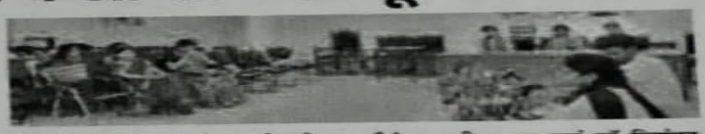

की प्रतियोगिताएं जो हमारे भीतर नव उत्साह व नव ऊर्जा का संचार करती हैं.

निर्णायक में इनकी भूमिका

प्रतियोगिता में बतौर निर्णायक मंडल के रूप में संगीत गायन विभाग की अध्यक्षा प्रोफेसर सीमा वर्मा, डॉक्टर अनुराधा बापुली, डॉ नैरंजना श्रीवास्तव एवं डॉ प्रियंका पाठक ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की. कार्यक्रम में लगभग 17 छात्राओं ने प्रतिभागिता किया. जिसमें संगीत विभाग से तबला वादक अमित ईश्वर जी ने तबले का मधुर वादन कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया. हारमोनियम पर संगीत विभाग की छात्राओं ने संगत किया.

Edit with WPS Office

हिन्दी सप्ताहोत्सव के अंतर्गत 'इमला' एवं 'कहानी वाचन प्रतियोगिता' में आप सभी सादर आमंत्रित हैं!

दिनांक-13-10-2023

समय-12:00बजे

स्थान-सभागार

साभार!

हिन्दी विभाग

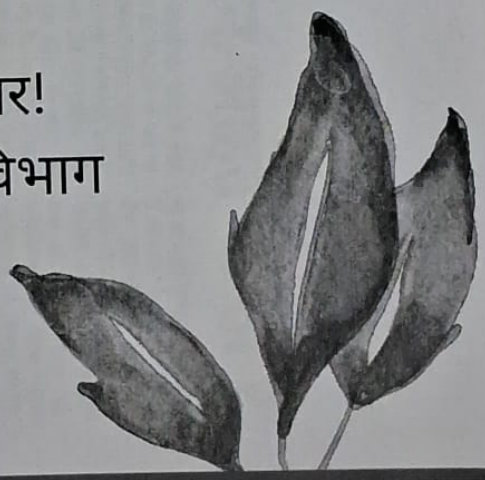

Edit with WPS Office

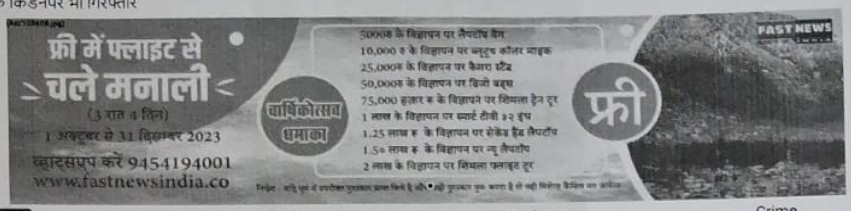

वसन्त कन्या महाविद्यालय मे संगोष्ठी व विविध स्पर्धायोजन के समापन समारोह का आयोजन

151000001 - PRABHAKAR DWIVEDI 0

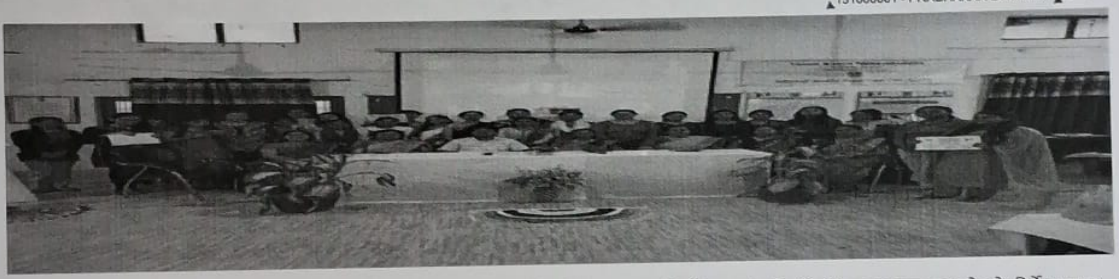

वसन्त कन्या महाविद्यालय, कमच्छा, वाराणसी के तत्वावधान में सोमवार को हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी सप्ताहांतर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार संगोष्ठी व विविध स्पर्धायोजन के समापन समारोह के आयोजन के अंतर्गत 'विश्व पटल पर हिन्दी' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में हिन्दी विभाग काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से सहायक आचार्य डॉ॰ विन्ध्याचल यादव आमंत्रित थे। अपने वक्तव्य में विषय पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने भाषा की मुक्ति को राष्ट्र की मुक्ति से महत्त्वपूर्ण माना। गणेश शंकर विद्यार्थी का हवाला देते हुए उन्होने कहा भाषा यदि मुक्त रहेगी तो राष्ट्र को मुक्त कराने की ताकत स्वतः आ जायेगी।

इसी क्रम में यूरोप के विभिन्न देशों का उदाहरण देते हुए उसकी औपनिवेशिक नीति को लक्षित करते हुए अपनी भाषा को बचाये रखने की बात कही। जिसमें उन्होंने कहा कि हिन्दी भाषी जनता हिन्दी को कभी मरने नही देगी इसे बोलने वालों का वर्ग इतना विकसित और सुदृढ़ है कि यह कभी समाप्त नहीं हो सकती। कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए प्राचार्या प्रो॰ रचना श्रीवास्तव ने सप्ताहोत्सव में प्रतियोगिताओं का जिक्र करते हुए भाषा सीखने के क्रम में इमला प्रतियोगिता की महत्त्वपूर्ण भूमिका स्थापित करते हुए भाषा के शुद्ध लेखन एवं वाचन के प्रति छात्राओं को प्रेरित किया। महाविद्यालय की प्रबंधिका महोदया श्रीमती उमा भट्टाचार्या ने अपने आशीर्वचन में भाषा के वाचन की सतर्कता को साझा करते हुए सीबीएसई की 'भाषा के स्थान पर भाव को महत्ता देने की बात' पर कड़ा विरोध जताया। उनका कहना था सही भाषा में भाव सही तरह से अभिव्यक्त होते हैं। इसलिए भाषा का शुद्ध होना भी उतना ही आवश्यक है।

Google ने विज्ञापन बंद कर दिया है

इसी कड़ी में हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो॰ आशा यादव द्वारा सप्ताह भर में हुए प्रतियोगिताओं की रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी। जिसमें उन्होने हिन्दी सप्ताहोत्सव के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में त्रुटिपूर्ण हिन्दी लेखन से वे अत्यन्त आहत है और वे इसे सुधारने और समृद्ध करने में अपना सम्पूर्ण जीवन लगा देंगी। इस आयोजन में प्रो॰ आशा यादव की काव्य रचना की सांगीतिक प्रस्तुति संगीत विभाग द्वारा की गयी। जिसमें प्रो॰ सीमा वर्मा, श्री सौम्यकान्ति मुखर्जी, डॉ॰ विनीता गुजराती एवं संगीत विभाग की छात्राओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका रहीं।कार्यक्रम में परास्नातक द्वितीय वर्ष की छात्रा सुश्री श्रेया शांडिल्य ने अपना अभिभाषण प्रस्तुत किया। अंत में सप्ताह भर की प्रतियोगिताओं में शामिल सभी विजेताओं को पुस्तक एवं प्रमाण-पत्र देकर प्राचार्या, अतिथि वक्ता एवं विभागाध्यक्षा द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का सुन्दर संचालन डॉ॰ शुभांगी श्रीवास्तव द्वारा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ॰ शशिकला द्वारा किया गया। आयोजन में डॉ॰ कमला पाण्डेय, डॉ॰ सपना भूषण, डॉ॰ नैरंजना श्रीवास्तव, डॉ॰ प्रतिमा सिंह, डॉ॰ प्रीति विश्वकर्मा, डॉ॰ दीपा वर्मा के साथ ही सभी विद्यार्थीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम में हिन्दी स्वयं सेविकाओं के रूप में जान्हवी द्विवेदी, रिद्धिमा जायसवाल, अंशिका सिंह, शैली गुप्ता, नेहा कुमारी, आंचल कुमारी, बुशरा फातमा, सृष्टि, दिव्यांशी झा ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी।

Edit with WPS Office

हिंदी विभाग द्वारा बहुभाषी काव्यपाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

जान्हवी द्विवेदी, वाराणसी: वर्मंत कन्या महाविद्यालय के हिंदी विभाग में चल रहे हिंदी सप्ताहोत्सव के तीसरे दिन दिनांक-11-10 2023 को अपराह्न 2:00 बजे महाविद्यालय के रूभागार में हिंदी विभाग द्वारा बहुभाषी काव्यपाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। काव्यपाठ का शुभारंभ करते हुए कार्यक्रम की संयोजिका और हिन्दी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ० शशिकला ने छात्राओं को शुभकामना देते हुए कार्यक्रम के नियम भी बताये । महाविद्यालय की यशस्वी प्राचार्या प्रोफेसर रचना श्रीवास्तव ने हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को भूरि-भूरि प्रशंसा की और छात्राओं को अपना आशीर्वचन देते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताये जीवन में आगे बढ़ने के लिए मार्ग प्रशस्त करते हैं। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के रूप में अंग्रेजी विभाग की सहायक आचार्य डॉ० सुप्रिया सिंह, संस्कृत विभाग की सहायक आचार्य डॉ० गंजू कुमारी और अंग्रेजी विभाग की ही सहायक आचार्य डॉ० पूर्णिमा सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। कार्यक्रम में कुल 25 छात्राओं ने सहभागिता की। निर्णायक मण्डल ने छात्राओं को काव्यपाठ के दौरान की गई त्रुटियों से अवगत कराया और स्वर्ण काव्यपाठ कर-के उदाहरण भी प्रस्तुत किया साथ ही डॉ० प्रीति विश्वकर्मा एवं डॉ० प्रियंका पाठक द्वारा भी सुमधुर, सस्वर काव्यपाठ का वाचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन स्नातक तृतीय वर्ष की होनहार छात्राओं जान्हवी द्विवेदी और दिव्यांशी झा द्वारा किया गया। काव्य प्रतियोगिता में धर्मशिला कुमारी, अंकित पांडे, विवेदिता पाठक , साक्षी उपाध्याय , गरिमा पांडे ,साक्षी कुमारी, रितु तिवारी अर्चना विश्वकर्मा , शिवांगी शर्मा , यशांशी केशरवानी , सौम्या वर्मा, पूजा यादव, रश्मि यादव, श्रेया सृष्टि, सौम्या यादव, प्रकृति सिंह ,अनुष्का , उज्जवला यादव , अंकिता पांडे , पल्लवी , प्रिया भारती , रिद्धिना जायसवाल जाह्नवी द्विवेदी , आंचल मौर्या आदि छात्राओं में भाग लिया । कार्यक्रम में औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन का दायित्व कार्यक्रम की संयोजिका डॉ० शशिकला ने निभाया । हिन्दी साहित्योत्सव कार्यक्रम की रुपरेखा हिन्दी विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर आशा यादव ने तैयार की थी। सम्पूर्ण कार्यक्रम के दौरान डॉ० रुपना भूषण, डॉ० शुभांगी श्रीवास्तव, डॉ० आरती कुमारी सहित दर्जनों प्राध्यापक, कर्मचारी उपस्थित रहें। काव्य प्रतियोगिता में प्रतिभागी सहित सैकड़ों छात्रा उपस्थित रहीं ।

Edit with WPS Office

वक्तव्य देते समय हमेशा अपने विषय के अनुकूल रहें।" : डॉ. अंशु शुक्ला

जान्हवी द्विवेदी , वाराणसी ; वसन्त कन्या महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी सप्ताहांतर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निदेर्शानुसार संगोष्ठी व विविध प्रतिस्पधायोजन के अन्तर्गत दिनांक 12/10/2023 को मध्याह्न 12:00 बजे भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसका विषय था " नया भारत कैसा हो?" विद्यालय की प्रचार्या प्रोफेसर रचना श्रीवास्तव ने हिंदी विभाग द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता की प्रशंसा की और कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं छात्रों के सर्वांगीण विकास के हेतु अत्यधिक महत्वपूर्ण होती हैं। साथ ही उन्होंने छात्राओं को प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं भी दी । इस प्रतियोगिता की संयोजिका डॉ० शुभांगी श्रीवास्तव थीं। प्रतियोगिता में छात्राओं ने बढ़ - चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में इतिहास विभाग की प्रो० पूनम पाण्डेय, गृहविज्ञान विभाग की डॉ० अंशु शुक्ला तथा दर्शनशास्त्र विभाग की डॉक्टर प्रतिमा सिंह थी।इस प्रतियोगिता में कुल 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में 'नया भारत कैसा हो?' इस विषय को लेकर प्रतिभागियों ने बहुत अच्छी प्रस्तुति दी। प्रतियोगिता में प्रतीभाग करने वाली छात्राओं में श्रेया शाडिल्य, प्रिया भारती, निवेदिता पाठक, वीना वर्मा, आंचल मौर्य राधा मिश्रा, आयुषी पांडे आदि छात्राएं रहीं। निर्णायक मण्डल की सदस्य प्रो० पूनम पाण्डेय ने कहा कि इस आयोजन के लिए हिंदी विभाग को हार्दिक बधाई सभी प्रतिभागियों ने नए भारत की कल्पना सुंदर ढंग से की। नया भारत कैसा हो इस पर केवल समस्याओं पर चर्चा करने की अपेक्षा हमें जो भी समाधान है उसे अपने व्यवहार में लाना होगा। डॉ० अंशु शुक्ला ने कहा कि छात्राओं की अभिव्यक्ति को माध्यम देने के लिए हिंदी विभाग को हार्दिक बधाई। प्रतिभागियों को विषय से इतर चीजें अपने भाषण में संकलित नहीं करनी चाहिए। भाषण प्रस्तुत करते समय हमें किसी एक ही भाषा का उपयोग करना चाहिए।

निर्णायक मंडल की तीसरी सदस्य डॉ प्रतिमा सिंह ने कहा कि हिंदी विभाग एवं प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई । भविष्य में ऐसी योजनाओं के लिए प्रोत्साहन एवं शुभकामनाएं दिया...

वज
नफ़्स-ए-
तो है इस
दरक
गूँज रही
से, फिर
पटक
आज फि
चरागों का
आवाज
अँधेरी
सिसव
कर लो बे
भलाइयाँ
बस एक
है, आँखों

Edit with WPS Office

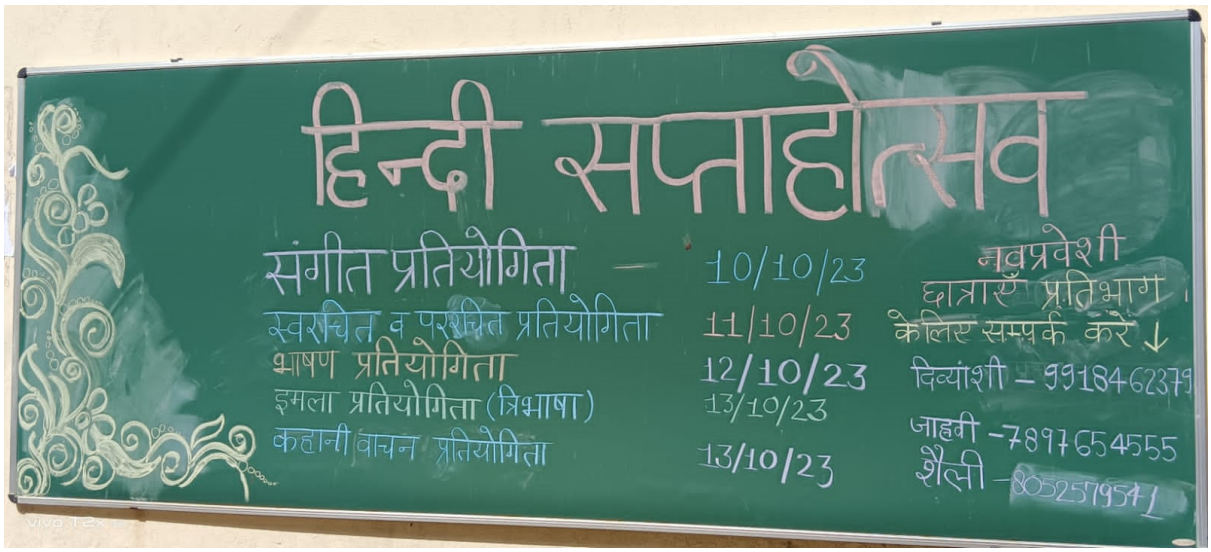

Edit with WPS Office

Edit with WPS Office

हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह -दिनांक -१६-१०-२३

हिन्दी का त्रुटिपूर्ण लेखन आहत करता है

● वीकेएम में संगोष्ठी व विविध आयोजनों का समापन समारोह

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। बसन्त कन्या महाविद्यालय, कमच्छा, के तत्वावधान में सोमवार को हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी सप्ताहांतर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार संगोष्ठी व विविध स्पर्धायोजन के समापन समारोह के आयोजन के अंतर्गत 'विश्व पटल पर हिन्दी' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में हिन्दी विभाग काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से सहायक आचार्य डॉ. विन्ध्याचल यादव आमंत्रित थे। अपने वक्तव्य में विषय पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने भाषा की मुक्ति को राष्ट्र की मुक्ति से महत्वपूर्ण माना। कार्यक्रम में प्राचार्या प्रो. रचना श्रीवास्तव ने भाषा के शुद्ध लेखन एवं वाचन के प्रति छात्राओं को प्रेरित किया। महाविद्यालय की प्रबंधिका उमा भट्टाचार्या ने भाषा के वाचन की सार्थकता को साझा करते हुए सीबीएसई की 'भाषा के स्थान पर भाव को महत्ता देने की बात' पर कड़ा विरोध जताया। उनका कहना था सही भाषा में भाव सही तरह से अभिव्यक्त होते हैं। इसलिए भाषा का शुद्ध होना भी उतना ही आवश्यक है। इसी कड़ी में हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. आशा यादव ने कहा कि वर्तमान समय में त्रुटिपूर्ण हिन्दी लेखन से वे अत्यन्त आहत हैं और वे इसे सुधारने और समृद्ध करने में अपना सम्पूर्ण जीवन लगा देंगी। इस आयोजन में प्रो. आशा यादव की काव्य रचना की सांगीतिक प्रस्तुति संगीत विभाग द्वारा की गयी। जिसमें प्रो. सीमा वर्मा, सौम्यकान्ति मुखर्जी, डॉ. विनीता गुजराती एवं संगीत विभाग की छात्राओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में परास्नातक द्वितीय वर्ष की छात्रा श्रेया शांडिल्य ने अपना अभिभाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शुभांगी श्रीवास्तव द्वारा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शशिकला द्वारा किया गया। आयोजन में डॉ. कमला पाण्डेय, डॉ. सपना भूषण, डॉ. नैरंजना श्रीवास्तव, डॉ. प्रतिमा सिंह, डॉ. प्रीति विश्वकर्मा, डॉ. दीपा वर्मा के साथ ही सभी विद्यार्थीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम में हिन्दी स्वयं सेविकाओं के रूप में जान्हवी द्विवेदी, रिद्धिमा जायसवाल, अंशिका सिंह, शैली गुप्ता, नेहा कुमारी, आंचल कुमारी, बुशरा फातमा, सृष्टि, दिव्यांशी झा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

Edit with WPS Office

Edit with WPS Office

दिनांक -१६-०४-२४

Edit with WPS Office

एकल व्याख्यान -डॉ समीर कुमार पाठक

वसंत कन्या महाविद्यालय

कमच्छा, वाराणसी

नैक द्वारा 'ए' श्रेणी प्रत्यायित

संगठक काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी

एकल व्याख्यान

विषय –"मार्क्सवादी आलोचना और रामविलास शर्मा"

वक्ता–प्रो.समीर पाठक

(डी. ए. वी. पी. जी.कॉलेज,वाराणसी)

दिनांक–16/04/2024

समय–पूर्वाह्न 11:00बजे

स्थान–सेमिनार हॉल

आयोजक
हिंदी विभाग

संरक्षक
प्रो.रचना श्रीवास्तव
प्राचार्या

Edit with WPS Office

जनसम्प्रेषण विभाग में 'भारत रत्न बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी का पत्रकारिता के क्षेत्र में अवदान' विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में कही। यह संगोष्ठी भारतीय संविधान के प्रारूप समिति के अध्यक्ष, भारत रत्न बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी की 133वीं जयंती के अवसर पर आयोजित की गयी थी। अरुणाचल प्रदेश स्थित अरुणोदय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 विश्वनाथ शर्मा ने बीज वक्तव्य में कहा कि बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर पत्रकार के रूप में अंतरराष्ट्रीय फलक पर विशिष्ट पहचान रखते हैं। उन्होने मूक नायक से लेकर प्रबुद्ध भारत तक के अखबारों में राष्ट्रीय जागरण के निमित्त महिला और वंचित वर्गों के लिए लिखने का महान कार्य किया। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कला संकाय के अध्यक्ष प्रो. श्रीकिशोर मिश्र ने कहा कि बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर पहले नेता थे जिन्होने संस्कृत को राजभाषा का दर्जा देने की मांग की थी। लेकिन उनकी मांग को लोगों ने महत्व नहीं दिया जिसकी वजह से संस्कृत आज उपेक्षित है. उद्घाटन सत्र की शुरूआत डा0 भीमराव अम्बेडकर जी और महामना मदन मोहन मालवीय जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। पत्रकारिता विभाग की विभागाध्यक्ष डा0 शोभना नेरलीकर ने संगोष्ठी की प्रस्तावना रखी जिसमे उन्होने बाबा साहेब डा0 भीमराव अम्बेडकर जी और महामना मदन मोहन मालवीय जी की पत्रकारिता को रेखांकित किया। उन्होने कहा कि बाब साहेब डा0 भीमराव अम्बेडकर जी की पत्रकारिता शोषितों, वंचितों, पिछड़ों, महिलाओं के अधिकारों पर केन्द्रित थी। उन्होने अपनी पत्रकारिता मे जातिगत भेदभाव और विद्वेष के खिलाफ कलम चलायी थी।

वी के एम में मार्क्सवादी आलोचना पर व्याख्यान हुआ आयोजित

युवा आलोचक प्रोफ़ेसर समीर पाठक ने माक्सवादी आलोचना और डॉ राम विलास शर्मा विषय पर दिया रोचक व्याख्यान

वाराणसी। वसन्त कन्या महाविद्यालय (वी के एम) के हिन्दी विभाग द्वारा एकल व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसका विषय था फमार्क्सवादी आलोचना और राम विलास शर्माफ. मुख्य वक्ता प्रो समीर पाठक, हिन्दी विभाग, डी.ए.वी कॉलेज ने अपने वक्तव्य में कहा कि, फयह साहित्य का सौभाग्य है कि हमारे बीच रामविलास शर्मा जैसे आलोचक रहे हैं। आपने आगे कहा कि पालविन्क्स एक तर्कपद्धति है जहाँ एक तर्क दूसरे तर्क को गलत ठहराते हैं। भारत में स्टालिनवाद के पहले आलोचक राम विलास शर्मा है। उनके विचार क्लासिकल मार्क्सवाद से जुड़े है। जातीयता की अवधारणा ही साहित्य का स्थायी मूल्य है। हिन्दी–जाति की एकता के लिए केन्द्रिय भाव 1857 की क्रांति है। हर युग का एक अर्तविरोध होता है। उनके सामने सोवियत यूनियन एक मॉडल है। उस समय हिन्दी में व्यक्तिवादी लेखको का उदय हो रहा था। प्रो. समीर ने आगे कहा कि डॉ0 राम विलास शर्मा की आलोचना की कुछ असंगतियाँ भी है। शिल्प वस्तु और रूप की समस्या मार्क्सवाद की समस्या है। रामविलास शर्मा कहते हैं कि, मध्यकाल के तीन त हैं ...तानसेन, तुलसीदास, ताजमहल। आपने रामविलास शर्मा से जुड़े संस्मरणों को सुनाया। रामविलास जी सबसे बड़े आलोचक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल को मानते हैं । स्वागत वक्तव्य प्राचार्या प्रो रचना श्रीवास्तव ने दिया। अतिथि वक्ता को पुस्तक प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन और संयोजन हिन्दी विभाग की असोसिएट प्रोफेसर डॉ सपना भूषण ने किया। धन्यवाद ज्ञापन हिन्दी विभाग की अध्यक्षा प्रो आशा यादव ने दिया। इस अवसर पर डॉ शशिकला, डॉ0 शुभांगी श्रीवास्तव, डॉ प्रीति विश्वकर्मा, डॉ ज्योति गुप्ता सहित महाविद्यालय के हिन्दी विभाग से स्नातक एवं स्नातकोत्तर की भारी संख्या मे छात्रायें उपस्थित रहीं।

से सशक्त वेदी

गोष्ठी में आए हुए पत्रकारों का स्वागत संबोधन करते हुए कहा कि मीडिया फोरम ऑफ इंडिया (न्यास) की जिला इकाई सोनभद्र सदैव पत्रकारों के हित के लिए दमदारी से आवाज बुलंद करती रही है और आगे भी पत्रकारों की हर मुश्किल में उनके साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। फोरम के जिला इकाई सोनभद्र के महामंत्री

विद्यया अमृतमश्नुते
बशुधानंद बुक्स एंड पब्लिकेशन

Edit with WPS Office

Edit with WPS Office

एकल व्याख्यान -प्रो चंद्रकला त्रिपाठी दिनांक -18-०४-२४

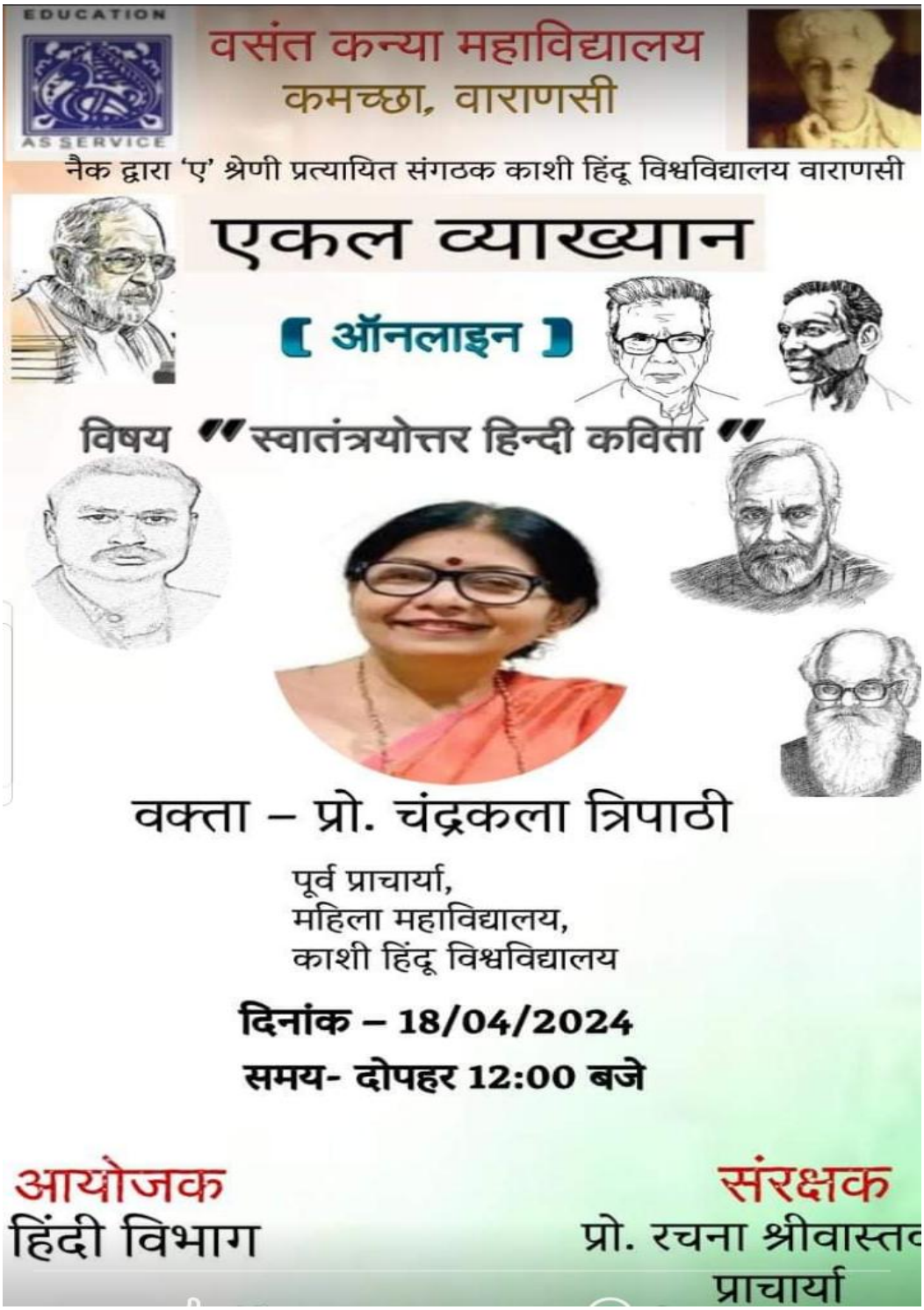

Edit with WPS Office

बसंत कन्या महाविद्यालय में आनलाइन एकल व्याख्यान

वसंत कन्या महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा ऑनलाइन एकल व्याख्यान आयोजित किया गया था। जिसका विषय था 'स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता'। वक्ता रही प्रोफेसर चंद्रकला त्रिपाठी (पूर्व प्राचार्य एमहिला महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय) ने स्वातंत्र्योत्तर युग के प्रमुख कवि धूमिल, मुक्ति बोध, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, केदार नाथ सिंह, रघुवीर सहाय आदि कवियों के महत्व को समझाते हुए उनकी कविताओं का पाठ और विश्लेषण किया। जिसमें अंधेरे में बहुत शर्म आती है, धूमिल की पटकथा, मध्य वर्ग के अंर्तद्वंद, मार्क्सवाद, फैन्टेसी, शोषक और शोषित वर्ग के बीच का संघर्ष आदि विषयों पर अपने विचार व्यक्त किये। प्राचार्य प्रोफेसर रचना श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की सफलता के लिए आशीर्वचन दिए। संयोजन एवं स्वागत डॉक्टर शुभांगी श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम का संचालन परास्नातक द्वितीय वर्ष की छात्रा निकिता दुबे एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर आशा यादव ने किया। डॉक्टर सपना भूषण, डॉक्टर शशिकला सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित कुल १०० छात्राएं जुड़ी रही।

Edit with WPS Office

कवि और कविता के महत्व पर डाला प्रकाश

● वीकेएम हिंदी विभाग ने किया ऑनलाइन एकल व्याख्यान का आयोजन

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। वसंत कन्या महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा गुरुवार को मध्याह्न ऑनलाइन एकल व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसका विषय था 'स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता', वक्ता रहीं प्रो. चंद्रकला त्रिपाठी (पूर्व प्राचार्या, महिला महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय)। उन्होंने ऑनलाइन व्याख्यान में हिंदी 'स्वातंत्र्योत्तर कविता' विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वातंत्र्योत्तर युग के प्रमुख कवि धूमिल, मुक्ति बोध, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, केदार नाथ सिंह, रघुवीर सहाय आदि कवियों के महत्व को समझाया और उनकी कविताओं का पाठ व विश्लेषण किया। जिसमें अंधेरे में बहुत शर्म आती है, धूमिल की पटकथा, मध्य वर्ग के अंर्तद्वंद, मार्क्सवाद, फैन्टेसी, शोषक और शोषित वर्ग के बीच का संघर्ष आदि विषयों पर अपने विचार व्यक्त किये। प्राचार्या प्रो. रचना श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की सफलता के लिए आशीर्वचन दिए। संयोजन एवं स्वागत डॉ॰ शुभांगी श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम का संचालन परास्नातक द्वितीय वर्ष की छात्रा निकिता दुबे ने किया। धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभाग की अध्यक्षा प्रो. आशा यादव ने किया। कार्यक्रम में हिंदी विभाग की असोसिएट प्रोफेसर डॉ. सपना भूषण, डॉ. शशिकला एवं महाविद्यालय के अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित कुल 100 छात्राएं जुड़ी रहीं।

Edit with WPS Office

एकल व्याख्यान -कर्बला की ऐतिहासिकता -डॉ सबा परवीन- दिनांक- ०२-०४-२४

Edit with WPS Office

Edit with WPS Office

Edit with WPS Office